हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 29 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 34 .7 डिग्री
न्यूनतम 16 .0 डिग्री

गुलाब मंडी से सुंदर नगर तक बनी सड़क

अंबाला। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के दिशा निर्देशों अनुसार वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी कपिल विज ने कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 7 में विकास कार्यों को गति देते हुए गुलाब मंडी से सुंदर नगर तक चमड़ा फैक्ट्री वाली रोड का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इस सड़क के बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों ने कपिल विज के समक्ष अपनी मांगें रखीं जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उन्होंने मौके पर ही मौजूद छावनी परिषद के उपाध्यक्ष अजय बवेजा और इंजीनियर सतीश गुप्ता को दूधला मंडी की सड़क बनाने व वहां पर ओपन जिम लगाने के संबंध में निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

नहर से बुजुर्ग का शव बरामद

कुरुक्षेत्र। झांसा गांव के पास सतलुज-यमुना लिंक नहर में एक बुजुर्ग का शव बहता हुआ मिला है। इसकी सूचना पाकर डायल-112 टीम ने गोताखोर प्रगट सिंह को मौके पर बुलाया। गोताखोर प्रगट सिंह ने शव को नहर से बाहर निकाला और पुलिस को सौंप दिया। घटना रात करीब 8 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, शव पंजाब की तरफ से बहकर आया लगता है। शुरूआती जांच में सुसाइड का मामला सामने आ रहा है। बुजुर्ग के शरीर पर कहीं कोई चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं। बुजुर्ग भूरे रंग का लोअर और सफेद रंग का लंबा कुर्ता पहने हुए थे।

नेशनल हाईवे पर मशरूम से भरा कैंटर पलटा

तरावड़ी। दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर आज सुबह 4 बजे कुरूक्षेत्र से सोनीपत जा रहा मशरूम से भरा एक कैंटर असंतुलित होकर पलट गया। हादसा तरावड़ी के पास सर्विस लेन पर हुआ, जहां वाहन पेड़ों के बीच जाकर अटक गया। हादसे के बाद कैंटर में भरी मशरूम की पेटियां सडक़ पर बिखर गईं, जिससे आसपास का नजारा अव्यवस्थित हो गया। मौके पर ड्राईवर दीपक के अनुसार कार को रास्ता देते हुये अचानक ब्रेक लगाने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया और कैंटर पलट गया।

कार ने बाइक सवार को कुचला, युवक की मौत

बराड़ा। गांव तंदवाली के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दीप रमन (उम्र करीब 30 वर्ष) वासी गांव हरयोली नगला जट्टान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दीप रमन 27 मार्च की सुबह अपने घर से मोटरसाइकिल पर रोजाना की तरह काम के लिए निकला था। वह ट्रैक्टर से किराये का काम करता था। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई, लेकिन अगले दिन सुबह करीब 5 बजे उन्हें सूचना मिली कि तंदवाली के पास उसका एक्सीडेंट हो गया है और उसे एमएमयू अस्पताल मुलाना में भर्ती कराया गया है।

खून संघर्ष के मामले में 13 आरोपियों पर केस दर्ज

अंबाला। बाजीगर बस्ती में वीरवार को हुए खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने लड़के पक्ष के 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई लड़की के दादा कर्मचंद की शिकायत पर की गई है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने टीमों का गठन कर दिया है। कर्मचंद ने बताया था कि परिजनों के साथ इस मसले पर बात करने के लिए बाजीगर बस्ती में आए थे।

सीएम ने अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को किया रवाना

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को अंबाला से अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अगले महीने अप्रैल के आखरी सप्ताह में श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड़ , महाराष्ट्र) के लिए तीर्थ यात्रियों हेतु विशेष ट्रेन चलाने का भी ऐलान किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक क्षण है। भगवान श्रीकृष्ण की इस पावन धरा से भगवान श्रीराम की जन्मभूमि, अयोध्या धाम के लिए इस विशेष तीर्थ ट्रेन को रवाना कर रहे हैं तो उनको बड़े गर्व और गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने यात्रियों को बधाई देते हुए कहा कि अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का दिव्य, भव्य एवं नव्य मंदिर भारत का गौरव है। हम सबके पुण्य कर्मों का ही फल है कि हम अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने हैं और अब उनके दर्शन के लिए जाने का सौभाग्य मिला है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अयोध्या की यह यात्रा केवल एक भौतिक सफर नहीं है यह एक आध्यात्मिक परिवर्तन की यात्रा है। जब आप सरयू नदी के तट पर खड़े होंगे, जब आप हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे। जब आप उस भव्य राम मंदिर की दहलीज को छूएंगे तो आपको उस ऊर्जा का अनुभव होगा जिसने देश को विश्व गुरु बनाया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने तीर्थ यात्रा के लिए रेलवे के साथ अनुबंध किया है। उसके बाद पहली ट्रेन से सात जिलों के 700 से अधिक बुजुर्गों को भेजा जा रहा है। इस यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए ट्रेन में खान-पान और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए वे रेलवे विभाग के अधिकारियों का भी धन्यवाद करते हैं जिन्होंने विशेष प्रबंधों को सुनिश्चित किया ताकि हमारे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

अप्रैल के आखिरी सप्ताह में नांदेड़ साहब के लिए भी जाएगी श्रद्धालुओं की ट्रेन

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से बुजुर्गों को लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश के बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के श्रद्धालु, धन के अभाव में तीर्थ यात्रा से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से सरकार ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत की है। यह ट्रेन उसी वादे और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी कैथल, करनाल, अंबाला और जींद से बसों के माध्यम से अयोध्या में श्रीराम लला के दर्शन करवाए थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसे तीर्थ भारतीय संस्कृति के जीवन की ऊर्जा के स्रोत हैं। भारतीय सभ्यता की पालक रहीं मां सिंधु नदी के दर्शन के लिए भी स्वर्ण जयंती सिंधु दर्शन योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 10 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है। इसी प्रकार कैलाश मानसरोवर यात्रा योजना के तहत 50 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड), श्री ननकाना साहिब, श्री हेमकुंड साहिब और श्री पटना साहिब जाने वाले प्रदेश के तीर्थ यात्रियों को 6 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को मंगलमयी यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग ने मुख्यमंत्री का यहां पहुंचने पर स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या धाम के लिए रवाना करने का काम किया है। यह क्षण न केवल हमारे बुजुर्गों के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।

शिकायत व समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 01744-294418 पर करें संपर्क : नरेश कुमार

पीएनजी के 8500 कनेक्शन, ऑनलाइन प्रक्रिया से सरेंडर करें एलपीजी कनेक्शन

कालाबाजारी, जमाखोरी व अनधिकृत प्रयोग रोकने के लिए उपमंडल स्तर पर नियुक्त किए हुए हैं नोडल अधिकारी

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि एलपीजी गैस के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत व समस्या के लिए जिला खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा टोल फ्री नंबर 01744-294418 जारी किया है। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कोई भी नागरिक इस नंबर पर फोन करके अपनी रिपोर्ट दर्ज करवा सकता है। उस रिपोर्ट के आधार पर उनकी समस्याओं व शिकायतों का विभाग की तरफ से समाधान किया जाएगा। इस टोल फ्री नंबर के लिए विभाग के कर्मचारी राघव व रोहित की ड्यूटी तय की है। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के आदेशानुसार एलपीजी की कालाबाजारी, जमाखोरी व अनाधिकृत प्रयोग रोकने के लिए उपमंडल स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए हुए हैं। ये नोडल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि थानेसर, झांसा, अमीन, कुरुक्षेत्र व पिपली के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी रामपाल, लाडवा व बाबैन के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी बृजमोहन, शाहाबाद व ठोल के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी चरणजीत व निरीक्षक गौरव अरोड़ा और पिहोवा व इस्माईलाबाद के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी जसबीर सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

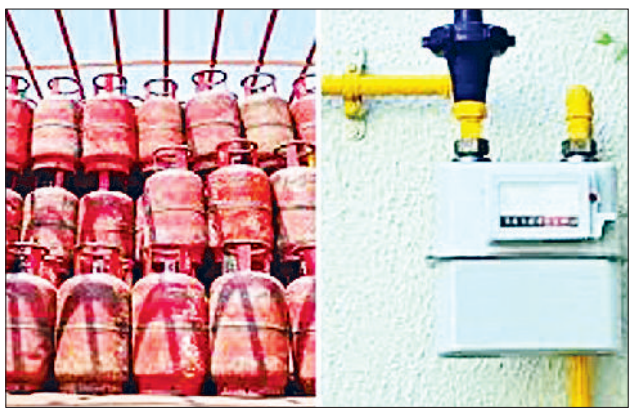

ढाबा व रेस्टोरेंट को करना होगा पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि ढाबा व रेस्टोरेंटों ने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा। इस आवेदन की प्रति दिखाकर कमर्शियल सिलेंडर मिल पाएंगे। यह सिलेंडर तब तक मिलेगी जब तक पीएनजी कनेक्शन नहीं हो जाता। अगर किसी ढाबे या रेस्टोरेंट पर पीएनजी कनेक्शन लगना मुश्किल है और संबंधित एजेंसी इसका प्रमाण पत्र दे देती है तब संबंधित ढाबे या रेस्टोरेंट को कमर्शियल गैस सिलेंडर मिल पाएगा।

ऑनलाइन प्रक्रिया से सरेंडर करे एलपीजी कनेक्शन

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि भारत पेट्रोलियम शेपिंग द्वारा एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने की ऑनलाइन प्रक्रिया जारी की है। यह एक आसान डिजिटल प्रोसेस है। इससे प्रक्रिया से कोई भी अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर सकता है। इसके लिए किसी डीलरशिप विजिट की जरूरत नहीं है। इसके लिए माई पीएनजीडी डॉट इन वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद पिकअप, डॉक्यूमेंटेशन और रिफंड डिस्ट्रीब्यूटर का चयन करें। इस समय जिला के पीएनजी के 8500 कनेक्शन है।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को मिलेगा पीएनजी कनेक्शन

■ खाद्य आपूर्ति विभाग ने घरेलू गैस से जूझ रहे कारोबारियों को राहत देने का लिया फैसला, अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से घरेलू व कमर्शियल गैस की सप्लाई हो रही है बाधित

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| अंबाला

ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से घरेलू गैस की किल्लत से जूझ रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से अब अब व्यवसायिक प्रतिष्ठान और उद्योगपति पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) गैस के कनेक्शन ले सकेंगे। प्रशासन की ओर से विभागीय अधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।पीएनजी कनेक्शन के लिए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों व उद्योग संचालकों को एचपीऑइल गैस कंपनी के पास आवेदन करना होगा। गैस कंपनी का कार्यालय अंबाला कैंट में आर्मी एरिया में बीएसएनएल के दफ्तर के पास है। बता दें कि साइंस इंडस्ट्रीज के कारोबारियों ने पिछले दिनों ही मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर गैस की किल्लत का रोना रोया था। तब मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन कर समस्या के समाधान के आदेश दिए थे।

कमर्शियल सप्लाई भी मिलेगी

जब तक कारोबारियों को पीएनजी का कनेक्शन नहीं मिल जाता तब तक एलपीजी की कॉमर्शियल सप्लाई भी मिलेगी। इसका कोटा तय कर दिया गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में ढाबा, फास्ट फूड रेस्टोरेंट, रेस्तरां, होटल व अन्य खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले प्रतिष्ठानों को इस फैसले से राहत नजर आई है। वहीं ग्लासवेयर इंडस्ट्रीज को भी एलपीजी सप्लाई की दिक्कतों के बीच विकल्प मिला है। एचपी ऑयल गैस कंपनी के पास घरेलू कनेक्शनों की संख्या 3900 है। कॉमर्शियल पीएनजी कनेक्शन 30 दिए हुए हैं। इसके अलावा इंडस्ट्रियल कनेक्शन 9 हैं। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक निशांत राठी ने बताया कि कंपनी के अनुसार अभी घरेलू 12 हजार कनेक्शन और दिए जा सकते हैं। मगर इसके लिए लोगों को आवेदन करना होगा। इसके अलावा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को भी पीएनजी के लिए आवेदन करना होगा।

20 प्रतिशत कोटा निर्धारित

पीएनजी के लिए आवेदन करने के बाद जब तक व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पीएनजी नहीं मिलती तब तक एलपीजी मुहैया कराई जाएगी। इसके लिए विभाग ने 20 प्रतिशत एलपीजी का कोटा निर्धारित कर दिया है। अभी पीएनजी की कवरेज सेक्टर एक, सात, आठ, नौ, दस, मॉडल टाउन, वाटिका मॉल, लक्ष्मी नगर, प्रीत कॉलोनी में है। जंडली में भी पीएनजी की सप्लाई चल रही है। दुर्गानगर, मनाली हाउस, पालिका विहार, रामनगर में पीएनजी की सप्लाई की अनुमति लंबित है। अनुमति मिलते ही कुछ दिनों में यहां भी पीएनजी की सप्लाई कर दी जाएगी। इसके सुचारू होने के बाद 2500 घरों के कनेक्शन और बढ़ जाएंगे।

पीएनजी का इस्तेमाल बेहद सुरक्षित

एलपीजी के बजाय पीएनजी को बेहद सुरक्षित माना जाता है। अंबाला शहर की पॉश बस्तियों में पीएनजी की कई साल से सप्लाई हो रही है। अभी तक एक हादसा भी सामने नहीं आया है। ऐसी स्थिति में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में होने वाले हादसों में भी कमी आना तय है। जानकारों की मानें तो पीएनजी का इस्तेमाल न केवल सुरक्षित है बल्कि इससे तैयार होने वाला खाना भी सेहत के लिए अच्छा होता है। ऐसे में कारोबारियों के साथ लोगों को भी राहत मिलना तय माना जा रहा है।

गैस की किल्लत से जूझ रहे कारोबारी

ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से अंबाला छावनी की साइंस इंडस्ट्रीज में ग्लासवेयर का कारोबार पूरी तरह से ठप होने की कगार पर है। ग्लासवेयर कारोबार में कमर्शियल गैस की सप्लाई बेहद कम है। इसी वजह से कारोबारी परेशान हैं। उनकी मानें तो गैस की सप्लाई न होने से ग्लासवेयर का कारोबार ठप हो गया है। साइंस इंडस्ट्रीज में इसी वजह से कांच से जुड़ा कोई भी सामान तैयार नहीं हो पा रहा है।

बराड़ा। फीस बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अभिभावक।

फीस बढ़ाने के फरमान पर स्कूल में मचा बवाल, अभिभावकों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| बराड़ा

गांव अधोई स्थित जय पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम के दिन फीस और अन्य नए नियमों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इस बात को लेकर गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल परिसर में जमकर हंगामा किया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मनमानी करने के गंभीर आरोप लगाए। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने फीस में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ अब तीन महीने की एडवांस फीस एकमुश्त जमा करवाने का नियम बना दिया है। इतना ही नहीं, लेट फीस पर भारी जुर्माना और पूरे साल का बस किराया भी एडवांस मांगा जा रहा है। यहां के रहने वाले रूपेश ने बताया कि उनकी दोनों बेटियां जेपीएस स्कूल में पढ़ती हैं। उन्हें पहले फीस में जो छूट मिल रही थी। उस छूट को इस साल बंद कर दिया गया और फीस पर जुर्माना लगाकर रिजल्ट देने से भी इनकार कर दिया गया। उन्होंने प्रिंसिपल पर भी अभिभावकों से दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। गांव थंबड़ के रमेश कुमार ने कहा कि स्कूल में हर महीने फीस बढ़ाई जा रही है और अब तीन महीने की एडवांस फीस अभिभावकों से वसूली जा रही है जो हर अभिभावक के लिए देना संभव नहीं है।

फीस पर करेंगे विचार

बच्चे रिजल्ट के बाद मेरे साथ फोटो खिंचवा रहे थे। इस दौरान कुछ अभिभावकों ने फीस की बात को लेकर आपत्ति जताई व हंगामा किया। कुछ देर बाद वो चले गए। कई अभिभावकों ने अपनी लिखित शिकायत और सुझाव दिए हैं। स्कूल प्रबंधन उन पर नियमानुसार विचार कर उन्हें हल करने का प्रयास करेगा।
-डॉ नीलम जैन, प्रिंसिपल, जेपीएस स्कूल।

स्कूल संचालक मर्जी से फीस नहीं बढ़ा सकते

यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। कोई भी स्कूल अपनी मर्जी से फीस में बढ़ोतरी नहीं कर सकता। फीस में बढ़ोतरी करने के लिए स्कूल को फार्म नंबर 6 भरना होता है, अगर अप्रूवल मिलती है, तो इसके बाद ही स्कूल फीस में वद्धि कर सकता है। फार्म नंबर 6 भरने की अंतिम तिथि 31 मार्च है।
-सुधीर कालड़ा, डीईओ, अंबाला।

हाईवे पर ट्रक व नकदी लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

अंबाला। थाना पड़ाव की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक लूटने वाले एक शातिर गिरोह के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को लूटे गए स्क्रैप से भरे ट्रक सहित पानीपत से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अनुज कुमार, निवासी गांव जुआ जिला सोनीपत के रूप में हुई है। 17 मार्च 2026 की रात को राष्ट्रीय राजमार्ग पर शास्त्री कट (कुलदीप नगर) के पास बोलेरो सवार आरोपियों ने एक ट्रक को रुकवाया था। आरोपियों ने खुद को अधिकारी बताते हुए ट्रक के कागजात और सामान की बिल्टी चेक करने का बहाना बनाया। बिल्टी को नकली बताकर ट्रक ड्राइवर शिव प्रकाश और उसके साथी के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी ड्राइवर को जबरन अपनी बोलेरो में बिठाकर ले गए। साथ ही नकदी लूट ली। लुटेरों ने ड्राइवर को शाहाबाद-साहा पुल के नीचे उतार दिया। स्क्रैप से भरा ट्रक लेकर फरार हो गए थे। 18 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश के ड्राइवर शिव प्रकाश की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज किया गया था। थाना प्रबंधक निरीक्षक धर्मबीर सिंह व उनकी टीम ने सूचनाओं के आधार पर आरोपी अनुज कुमार को पानीपत से काबू किया।

■ एक सदस्य गिरफ्तार, स्क्रैप से भरा ट्रक व नकदी बरामद

गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर धोखाधड़ी का आरोप, 13 सिलेंडर हड़पकर फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के कस्बा निगदू स्थित इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी में काम करने वाले एक डिलीवरी बॉय द्वारा ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी करने और 13 गैस सिलेंडर हड़पने का मामला सामने आया है। आरोपी कर्मचारी सैलरी लेने के बाद अचानक काम छोड़कर गायब हो गया और एजेंसी का हिसाब-किताब भी नहीं दिया।

सैलरी मिलते ही छोड़ा काम

रायसन निवासी लक्ष्मी चंद चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी मीन चौहान के नाम निगदू में इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी है। गांव बीर बादलवा का रहने वाला रोहित पिछले करीब चार महीने से एजेंसी में होम डिलीवरी का काम कर रहा था, जिसकी मासिक सैलरी 10 हजार रुपये तय थी।

हिसाब देने के बजाय किया फोन बंद

जब एजेंसी मालिक ने रोहित को फोन किया, तो उसने साफ कह दिया कि वह अब प्राइवेट नौकरी नहीं करना चाहता। इसके बाद उसे गैस डिलीवरी गाड़ी का चार्ज और सिलेंडरों का पूरा ब्यौरा देने के लिए बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आया। 17 मार्च को उसने चार्ज देने के लिए दो दिन का समय मांगा, लेकिन उसके बाद न तो वह एजेंसी पहुंचा और न ही कोई हिसाब दिया।

ग्राहकों के साथ भी की ठगी

लक्ष्मी चंद चौहान का आरोप है कि रोहित ने एजेंसी के कुल 13 गैस सिलेंडरों का घोटाला किया है। उसने ग्राहकों से कोड लेकर उनकी बुकिंग को पेपर पर 'डिलीवर' दिखा दिया, जबकि असल में ग्राहकों को सिलेंडर दिए ही नहीं। इससे एजेंसी और ग्राहक दोनों को आर्थिक नुकसान हुआ है। रोहित पिछले दो महीने से एजेंसी की सिम का इस्तेमाल नहीं कर रहा था, ताकि उसकी गतिविधियों पर नजर न रखी जा सके।

फिल्म फेस्टिवल में 'बैंड बाजा और सितारात' के निर्देशक व अभिनेत्री ने साझा किए अनुभव

सलिल सिंह की फिल्म ने बयां की कलाकारों की असली कहानी

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। कुवि के ऑडिटोरियम में मौजूद दर्शक।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सिनेमा के विविध रंग देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को फिल्म ह्यबैंड बाजा और सिताराह्ल के निर्देशक सलिल सिंह और मुख्य अभिनेत्री तीव्रता तिवारी ने विशेष सत्र में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए और युवाओं को प्रेरित किया।

इस दौरान निर्देशक सलिल सिंह ने कहा कि उनकी फिल्म केवल सफलता की कहानी नहीं, बल्कि उन कलाकारों के संघर्ष की कहानी है जो हर दिन अपनी पहचान बनाने के लिए लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हम अक्सर केवल विजेताओं की बात करते हैं, लेकिन उनकी फिल्म उन लोगों की कहानी को सामने लाती है जो हार के बाद भी दोबारा उठ खड़े होने का साहस रखते हैं। सलिल सिंह ने अपने शुरूआती संघर्षों का जिक्र करते हुए बताया कि वर्ष 2016-17 में जब उन्होंने अपने करियर की शुरूआत की थी, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उनकी फिल्म बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म ह्यकल्पना और यथार्थह्ल का भी उल्लेख किया, जो जल्द ही अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित होगी। वहीं फिल्म की मुख्य अभिनेत्री तीव्रता तिवारी ने वकालत से अभिनय तक के अपने सफर को साझा करते हुए कहा कि मुंबई में अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में हर दिन नए ऑडिशन और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अपने जुनून और मेहनत के बल पर उन्होंने यह राह चुनी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से अपनी भावनाओं को अभिनय के माध्यम से व्यक्त करना चाहती थीं और इसी इच्छा ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री की ओर आकर्षित किया। दोनों कलाकारों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस फिल्म फेस्टिवल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं और उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि वे अपने सपनों का पीछा करना कभी न छोड़ें और असफलता से घबराए बिना आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, फेस्टिवल निदेशक धर्मेन्द्र डांगी, डॉ. सलोनी पी दिवान, डॉ. आबिद अली सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

फेस्टिवल का चौथा दिन: खचाखच भरे सभागार में सिनेमा का उत्सव

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के चौथे दिन आडिटोरियल हॉल दर्शकों से पूरी तरह खचाखच भरा नजर आया। विद्यार्थियों और युवाओं का उत्साह चरम पर था, जिससे पूरे माहौल में ऊर्जा और जोश साफ झलक रहा था। मंच संचालन कर रहे डॉ. आबिद अली ने दर्शकों के बीच जाकर बच्चों और युवाओं से संवाद किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे कार्यक्रम और अधिक जीवंत एवं सहभागितापूर्ण बन गया। इस अवसर पर बैंड बाजा और सितारा, पहिया, बकरी, ब्रदर्स, 2 खेत, सिग्नेचर, रख्बी, सेल बडीज, 20 रुपये नोट, द सनफ्लावर, यू आर अर्ली, डेमन फिश, द फेयरवेल मेलोडी, सर्चिंग सरस्वती, बीज, केज्ड बाय करेज जैसी अनेक लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इन सभी फिल्मों के निर्देशक भी मौके पर उपस्थित रहे, जिससे दर्शकों को उनके अनुभव जानने का अवसर मिला।

खबर संक्षेप

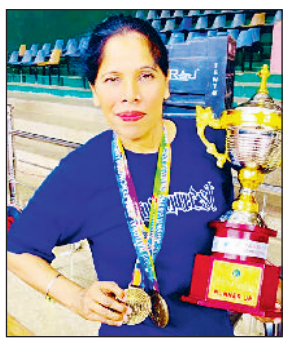

मेडल जीतने के बाद खुशी जताती खिलाड़ी सीमा चौहान।

सीमा चौहान ने फेंसिंग में जीते 2 गोल्ड, 1 सिल्वर

करनाल। वाल्मीकि समाज की होनहार बेटी सीमा चौहान (गांव स्टौंडी) ने जयपुर में आयोजित फेंसिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर हरियाणा का नाम रोशन किया है। सीमा ने फाइनल मुकाबले में उड़ीसा की शीला को हराकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विशेष बात यह रही कि शारीरिक विकलांगता भी उसके हौसले को डिगा नहीं सकी और उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। बताया गया कि सीमा पहले भी अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कई पदक जीत चुकी है।

जींद में होगा किसान व मजदूर सम्मेलन

करनाल। हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने प्रदेश में किसानों को

जागरूक करने के लिए जुलाई और अगस्त में नुक्कड़ सभाएं आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके बाद अगस्त में जींद में बड़ा किसान-मजदूर सम्मेलन किया जाएगा। यह निर्णय चंडीगढ़ में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर आयोजित सेमिनार में लिया गया। भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम के प्रवक्ता बहादुर मैहला ने बताया कि किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए यह पहल पहली बार की जा रही है। उन्होंने कहा कि मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राज्यपाल से मिलकर किसानों की समस्याओं से अवगत कराएगा और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेगा। इसमें फ्री ट्रेड एग्रीमेंट रद्द करने, कर्ज माफी और एमएसपी गारंटी कानून जैसी प्रमुख मांगें शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत बुजुर्गों को रामलला के दर्शन होंगे

223 श्रद्धालु करेंगे रामलला के दर्शन विधायक ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संकल्प लिया था, वह आज साकार हो रहा है: जगमोहन आनंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के अंतर्गत शनिवार शाम करनाल से 223 तीर्थ यात्री अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए रवाना हुए। स्थानीय विधायक जगमोहन आनंद ने भारत गौरव टूरिस्ट एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा को शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना आमजन, विशेषकर बुजुर्गों के लिए एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संकल्प लिया था, वह आज साकार हो रहा है और श्रद्धालु भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम हमारे आराध्य हैं और उनके आदर्शों से समाज को सही दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में बुजुर्गों को विशेष प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि बुजुर्ग परिवार और समाज की नींव होते हैं। जिस घर में बुजुर्ग खुश रहते हैं, वहां सुख-समृद्धि और भगवान का आशीर्वाद बना रहता है। उन्होंने विश्वास जताया कि तीर्थ यात्री अयोध्या से लौटकर पूरे क्षेत्र में आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेंगे।

करनाल से अयोध्या के लिए रवाना होती भारत गौरव टूरिस्ट एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाते विधायक जगमोहन आनंद व अन्य। फोटो : हरिभूमि

तरावड़ी। ज्योति प्रज्ज्वलित करते हुए रमेश नारंग व गणमान्य लोग।

मेयर रेणु बाला गुप्ता ने सीएम की योजना को सराहा

मेयर रेणु बाला गुप्ता ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की इस योजना के लिए सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा तीर्थ यात्रियों के लिए बेहतर प्रबंध किए गए हैं। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, पार्षद हरजीत सिंह, संजीव मेहता, सुभाष कंबोज, अमृतलाल जोशी, विशेष वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

माताजी मंदिर में भव्य जागरण में भजनों पर झूमे भक्त

तरावड़ी। दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर तरावड़ी के करनाली गेट स्थित माताजी के मंदिर में भव्य जागरण का आयोजन बड़ी श्रद्धा और धूमधाम के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुबेर राइस मिल के एमडी रमेश नारंग द्वारा विधिवत ज्योति प्रज्वलित कर किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित जागरण में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर हो गया। जागरण के दौरान ईश्वर जांगड़ा एवं गणेश खन्ना ने मां भगवती के भजनों की सुंदर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। च्मेनू माता रानी दे बना दे मोरज्ज, च्माता रानी सदा हाथ रखेज्ज और च्सानू परिवार दे नाल बुला लेज्ज जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरी रात भक्ति में लीन रहे। इस अवसर पर आकर्षक झांकियों का भी विशेष आयोजन किया गया।

यूनियन चुनाव के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते पदाधिकारी।

साहब सिंह ने चेयरमैन, कुलदीप राणा प्रधान चुने गए

करनाल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन सिविल शाखा करनाल का चुनाव माल रोड स्थित यूनियन कार्यालय में सम्पन्न हुआ। यह चुनाव राज्य के उपप्रधान ईश्वर दहिया और महाबीर तारागढ़ की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। चुनाव में साहब सिंह धीमान को चेयरमैन, कुलदीप सिंह राणा को प्रधान, पवन कुमार को सचिव, अनिश कुमार को कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती निशा रानी को सर्वसम्मति से वरिष्ठ उपप्रधान चुना गया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को राज्य प्रधान जसमेर लाल शर्मा और जिला प्रधान राजिस्टर राणा ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधान कुलदीप राणा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी सुविधाओं को समय पर लागू करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने चुनाव में भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों का धन्यवाद भी किया।

इंद्री। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय महाविद्यालय की ओर इंद्री में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम मे संबोधित करते बीके राजू भाई। फोटो : हरिभूमि

आध्यात्मिक कार्यक्रम में दिखी भक्ति की झलक

इंद्री। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय महाविद्यालय की ओर से पुष्प वाटिका इंद्री में एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माउंट आबू से विशेष रूप से आए ब्रह्माकुमारीज के वरिष्ठ वक्ता बीके राजू भाई ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर श्रद्धालुओं को सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बीके ममता, बीके रजनी, बीके आंचल, बीके गीता व बीके किरण बहन ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बीके राजू भाई ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक शांति और सकारात्मक सोच ही मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने मन को मंदिर के समान पवित्र बनाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए।

राजकीय महाविद्यालय में रचनात्मक लेखन पर व्याख्यान में दी जानकारी

- डॉ. विकास शर्मा ने विद्यार्थियों को दी साहित्यिक समझ की गहराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंडित चिरंजी लाल राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस इकाई एवं अंग्रेज़ी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रचनात्मक लेखन एवं रोमांटिसिज्म विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. विकास शर्मा रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन के मूल तत्वों से परिचित कराते हुए रोमांटिक युग की विशेषताओं और साहित्यिक योगदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को मौलिकता अपनाने और रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जबकि समन्वय में सीनियर ट्यूटर जरनैल सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंच संचालन डॉ. संजीव ने किया और एनएसएस की ओर से डॉ. करमजीत कौर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कॉलेज के अनेक प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसे विद्यार्थियों ने सराहा।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. विकास शर्मा।

मां जगदंबा मंदिर में लगा 62वां विशाल मेला

तरावड़ी। शहर के ऐतिहासिक माँ जगदम्बा मंदिर रेलवे रोड स्थित मे हर वर्ष की भांति नवरात्रि के पावन अवसर पर चौदस पर 62वें विशाल मेले व माता की चौकी का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। मेले के दौरान मां भगवती की भव्य चौकी, भजन संध्या और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मन्दिर मे सजावट का कार्य शुरू हो चुका है जोकि देखने योगय होगी। मन्दिर कमेटी के अनुसार कार्यक्रम में मंगलवार 31 मार्च को रात्रि 8:00 बजे माता की चौकी का आयोजन होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध टीवी कलाकार रैम्पी साज (दिल्ली) महामाई का गुणगान करेंगे। वहीं बुधवार 1 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे से भजन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध कलाकार अविनाश जोहर (यमुनानगर), हरियाणवी गायक रोहित हरियाणवी तथा निशा जांगड़ा (सोनीपत) अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करेंगी। इस अवसर पर माता की सुंदर-

रिंग रोड सर्विस लेन की मांग को लेकर धरना 51वें दिन में प्रवेश

- किसानों ने चेतावनी दी : मांग पूरी न होने तक आंदोलन रहेगा जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल रिंग रोड पर सर्विस लेन निर्माण की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) का धरना शनिवार को 51वें दिन में प्रवेश कर गया। किसानों का उत्साह लगातार बना हुआ है और आंदोलन में उनकी एकजुटता मजबूत होती जा रही है। भाकियू घरौंडा इकाई के अध्यक्ष धनेतर राणा के नेतृत्व में चल रहे इस धरने में प्रदेश अध्यक्ष रतन मान, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह घुम्मन और प्रभारी महताब कादयान सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शनिवार को घरौंडा ब्लॉक से बड़ी संख्या में किसान जत्था मेरठ रोड से प्रदर्शन करते हुए धरना स्थल पर पहुंचा। इस दौरान "किसान एकता जिंदाबाद" के नारे गूंजते रहे। प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने कहा कि यह आंदोलन किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई है और जब तक सर्विस लेन का निर्माण नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने कहा कि सर्विस लेन न होने से उन्हें रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी सुरक्षा और आजीविका प्रभावित हो रही है।

करनाल। रिंग रोड पर सर्विस लेन निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते भाकियू पदाधकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

इंद्री गोवंश मामले में तीन को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरि भूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल के इन्द्री थाना क्षेत्र के अंतर्गत नहर में गोवंश के अवशेष मिलने के सनसनीखेज मामले में पुलिस की जांच अब अपने निर्णायक मोड़ पर है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीनों मुख्य आरोपियों का रिमांड शनिवार को पूरा हो गया, जिसके बाद उन्हें देर रात मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। आज दोपहर बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से माननीय अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजने के आदेश दिए हैं। वारदात का सिलसिलाः धमनहेड़ी से धनौरा तक मचा था हड़कंप इस पूरी घटना की शुरुआत 18 मार्च (बुधवार) को हुई थी, जब धमनहेड़ी गांव के पास नहर किनारे ग्रामीणों ने 7 गोवंश के अवशेष देखे। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और अवशेषों को पोस्टमार्टम के लिए उचानी स्थित पशुधन केंद्र भेजा। अभी पुलिस मामले की गुत्थी सुलझा ही रही थी कि 19 मार्च को उसी नहर के पास फिर से 5-6 कटे हुए सिर बरामद हुए। इसके बाद 21 मार्च को धनौरा गांव के समीप भी गले-सड़े अवशेष मिले, जिससे क्षेत्र में भारी तनाव पैदा हो गया था। लगातार मिल रहे अवशेषों के विरोध में गौरक्षा दल और हिंदू संगठनों ने मोर्चा खोल दिया था।

12 को दिल्ली मे रन फॉर मेराथन को राहुल गांधी दिखाएंगे झंडी

करनाल कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश वैध वाल्मीकि को राष्ट्रीय मैराथन मे अनुशासन एवं वॉलंटियर कमेटी मे शामिल किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर 12 अप्रैल को रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन का आयोजन होगा। यह ऐतिहासिक मैराथन आयोजन इंडिया गेट से सुबह 6 बजे शुरू होगा और अंबेडकर नेशनल मेमोरियल तक मैराथन दोड़ के साथ सम्पन्न होगा। जिला कांग्रेस करनाल ग्रामीण अध्यक्ष राजेश वैध वाल्मीकि ने कहा की मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। मैराथन का उद्देश्य बाबा साहब के संविधान और उनके विचारों को बढ़ावा देना है, जो समाज में समानता और न्याय की भावना को मजबूत बनाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे और मैराथन में भाग लेंगे। राजेश वैद्य ने जिला करनाल मे कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता व आम जनता के साथ साथ युवाओं से भी इस मैराथन मे भागीदारी करने की अपील की है और कहा की यह मैराथन सामाजिक न्याय परिवर्तन के लिये ऐतिहासिक होगी।

तरावड़ी। जिला करनाल ग्रामीण अध्यक्ष राजेश वैध वाल्मीकि राष्ट्रीय चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम को भीम पटका पहनाकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

डॉ. राजेश वैध वाल्मीकि, जिला अध्यक्ष, करनाल कांग्रेस ग्रामीण, ने बताया कि यह मैराथन संविधान, समानता और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। इस मैराथन में बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे, जिसमें युवा, महिलाएं, और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे।

नहर से ई-रिक्शा निकालते समय दर्दनाक हादसा, चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- रस्सी टूटने से पलटी गाड़ी, नीचे दबने से मौके पर गई जान

करनाल जिले के घोघड़ीपुर क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में ई-रिक्शा चालक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, नहर में गिरी ई-रिक्शा को बाहर निकालने के दौरान यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि गांव गोगड़ीपुर निवासी रविंद्र की ई-रिक्शा करीब 12:30 बजे नहर में पलट गई थी। हादसे के बाद ई-रिक्शा को बाहर निकालने के लिए दूसरी रिक्शा की मदद ली जा रही थी। इसी दौरान अचानक रस्सी टूट गई, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ई-रिक्शा सीधा रविंद्र के ऊपर पलट गई। गाड़ी के नीचे दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे निकालने की काफी कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही मधुबन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल समोरा में ग्रेजुएशन डे पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल समोरा में ग्रेजुएशन डे का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर स्कूल की चेयरपर्सन मंजू गुप्ता ने मुख्य रूप से शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल संजीव शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, समर्पण एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और वर्तमान समय में बच्चों में बढ़ते मोबाइल उपयोग पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अभिभावकों को सुझाव दिया कि वे बच्चों के स्क्रीन टाइम को संतुलित रखें, उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं तथा उन्हें खेल, पुस्तक पठन एवं रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि सही मार्गदर्शन और अनुशासन से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर अभिभावकों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यालय की शिक्षण पद्धति एवं वातावरण की सराहना की। इस मौके पर स्कूल स्टाफ सदस्य व बच्चों के अभिभावक मौजूद रहें।

इंद्री। मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल समोरा में ग्रेजुएशन डे पर बच्चों को सम्मानित करते स्कूल की चेयरपर्सन व प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

असंध क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज, कई परियोजनाओं का उद्घाटन

विधायक ने 4.40 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

ग्रामीणों ने विधायक योगेंद्र राणा का फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल/असंध

असंध विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक योगेन्द्र राणा ने शनिवार को विभिन्न गांवों का दौरा कर करीब 4 करोड़ 39 लाख 59 हजार रुपये की लागत से कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। विधायक ने गांव बाहरी में लगभग 3.08 करोड़ रुपये की लागत से दो तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। साथ ही करीब 7.47 लाख रुपये की लागत से खेतों की ओर जाने वाले रास्ते का लोकार्पण किया। गांव गंगा टेहड़ी में शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए लगभग 37 लाख रुपये की लागत से बने विलेज नॉलेज सेंटर, करीब 5 लाख रुपये की लागत से चिल्ड्रन पार्क तथा लगभग 5 लाख रुपये की लागत से बस क्यू शेल्टर का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा गांव जोली खेड़ा में लगभग 16 लाख रुपये की लागत से रितोली रोड से सुभाष टीलू के डेरे तक पक्के रास्ते का उद्घाटन किया गया। वहीं गांव पोपड़ा में करीब 36.65 लाख रुपये की लागत से बनने वाली फिरनी और गुरु ब्रह्मानंद आश्रम में लगभग 5.36 लाख रुपये की लागत से बनने वाले लंगर हॉल का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सरपंच कुलदीप कुमार (गंगा टेहड़ी), सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप कुमार (जोली खेड़ा), सरपंच राहुल (पोपड़ा), सरपंच पाला राम (बाहरी) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

करनाल। असंध क्षेत्र के गांवों में विकास कार्यों का उद्घाटन करते विधायक योगेन्द्र राणा व उपस्थित ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

गोहाना की विकास रैली में पहुंचने की अपील

पानीपत। भगवान परशुराम फाउंडेशन जिला पानीपत के प्रधान सुरेंद्र शर्मा सनौली ने 29 मार्च को गोहाना के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा द्वारा आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली में लोगों से पहुंचने की अपील की है। रैली नई सब्जी मंडी गोहाना में प्रातः 11 बजे आयोजित की जा रही है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। रैली में गोहाना वासियों की पुरानी जिला बनाने की मांग को भी पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

जिले में कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंसः डा. दहिया

पानीपत। जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस तथा पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनाधिकृत उपयोग पर सख्ती बरतते हुए कड़े कदम उठाए हैं। उपायुक्त डा. विरेंदर कुमार दहिया के निर्देशानुसार आमजन की सुविधा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी श्याम लाल को इस अभियान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पानीपत। स्थानीय एमएएसडी पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। प्रधानाचार्या डा. बबीता भारद्वाज ने कहा कि ये होनहार विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। आज विद्यार्थियों के एक वर्ष की मेहनत का ही परिणाम परीक्षा-परिणाम के रूप में अभिभावकों व अध्यापकों के लिए गर्व का विषय है। आगामी सत्र में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक व अन्य खेलकूद गतिविधियों के लिए उन्हें और अधिक प्रोत्साहित किया जाएगा। विद्यालय की प्रबंधन समिति द्वारा खिलाड़ी छात्रों को खेलकूद संबंधी सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। सत्र 2025-26 में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

ऑल इंडिया कृष्ण कुंडू कुश्ती बोर्ड कप का आयोजन

विकास और खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्धः पंवार

हरियाणा की पहचान केवल खेती तक सीमित नहीं है बल्कि यह प्रदेश देश को बेहतरीन खिलाड़ी देने के लिए भी जाना जाता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फि ट इंडिया जैसे विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कृष्ण लाल पंवार आज इसराना विधानसभा के शाहपुर में आयोजित ऑल इंडिया कृष्ण कुंडू कुश्ती बोर्ड कप में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान केवल खेती तक सीमित नहीं है बल्कि यह प्रदेश देश को बेहतरीन खिलाड़ी देने के लिए भी जाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा के खिलाड़ियों का प्रदर्शन हमेशा प्रेरणादायक रहा है और उन्होंने देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है।

पंवार ने कहा कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण, छात्रवृत्तियां और सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आज देश में खेलों का अग्रणी केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं दी जा रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वालों को सम्मानित भी किया जा रहा है। मंत्री श्री पंवार ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेलों को केवल प्रतियोगिता के रूप में नहीं बल्कि अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएं। अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए वे न केवल अपने सपनों को साकार करें बल्कि हरियाणा और देश का नाम भी विश्व पटल पर और ऊंचा करें।

पानीपत। शाहपुर में ऑल इंडिया कृष्ण कुंडू कुश्ती बोर्ड कप के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मंत्री कृष्ण लाल पंवार।

खेलों के क्षेत्र में हरियाणा का योगदान बहुत महत्वपूर्ण

मंत्री पंवार ने कहा कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें हरियाणा का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे खिलाड़ी हर खेल में शानदार प्रदर्शन कर देश की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। हमारी बेटियों ने भी खेलों में नई मिसाल कायम की है। साक्षी मलिक, गीता और बबीता फोगाट, विनेश फोगाट, मनु भाकर, ममता खरब और दीपा मलिक जैसी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और हौसले से बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। खेल हमें अनुशासन, धैर्य, संघर्ष और टीम वर्क सिखाते हैं। खेलों से शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

सिद्धांत चतुर्वेदी व अलाया एफ ने लैक्मे फैशन वीक में बिखेरा जलवा

पानीपत। मैक्स फैशन ने अपनी 20वीं सालगिरह पर लैक्मे फैशन वीक पर मैक्स ने शानदार फैशन पार्टी पेश की। मंच पर कल्कि कोचलिन, सिद्धांत चतुर्वेदी और अलाया एफ ने की मौजूदगी ने ऊर्जा को दोगुना कर दिया। तीन अलग अंदाज लेकिन संदेश एक फैशन सबके लिए। सिद्धांत चतुर्वेदी ने रनवे पर कदम रखा और माहौल को एक शानदार परफॉर्मेंस में बदल दिया। कल्कि कोचलिन शोस्टॉपर के रूप में कोर सेगमेंट के लिए रनवे पर उतरीं। अपने साथ एक अनोखी पहचान और शांत आत्मविश्वास लेकर आईं कल्कि ने अपनी ग्रेसफुल उपस्थिति और विशिष्ट शैली से पूरे रनवे को अपने वश में कर लिया। मैक्स फैशन के सीईओए सुमित चंदना ने खुशी साझा करते हुए कहा कि भारत में 20 साल का सफर पूरा करना मैक्स फैशन के लिए एक बेहद गर्व का क्षण है।

आर्य पीजी कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट में 36 छात्रों की बनी शार्टलिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आर्य पीजी कालेज की करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा कालेज में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कैंपस ड्राइव में स्टील क्राफ्ट्स एवं टेक डिजाइन कंस्ट्रक्शन कंपनियों ने भाग लिया। प्राचार्य प्रो.डा.जगदीश गुप्ता ने कैंपस ड्राइव के सफ ल आयोजन के लिए करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल की इंचार्ज आस्था गुप्ता, डा. रजनी शर्मा तथा कोऑर्डिनेटर पंकज चौधरी को बधाई दी। प्राचार्य डा. गुप्ता ने कंपनी के एचआर प्रतिनिधियों का बुके भेंट कर स्वागत किया। डा. गुप्ता ने बताया कि समय-समय पर छात्रों के लिए मॉक इंटरव्यू, इंडस्ट्री रेडीनेस जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। सीजीपीसी की इंचार्ज आस्था गुप्ता ने बताया कि इंटरव्यू का सामना करने से छात्रों का आत्मविश्वास विकसित होता है।

दिवान अस्पताल में फ्री हृदय जांच कैंप आज

पानीपत। अंसल सुशांत सिटी के सी ब्लॉक में स्थित नजदीक केआर मंगलम स्कूल, एसबीआई बैंक के सामने दीवान अस्पताल में फ्री हृदय जांच कैंप 29 मार्च को प्रातः 10 से 2 बजे तक लगाया जायेगा। ये जानकारी देते हुए डा. नीतिश गर्ग ने बताया कि दीवान अस्पताल में हृदय जांच कैंप में ओपीडी फ्री रहेगी। जिसमें कार्डियोलॉजिस्ट हेल्थ पैकेज में 50 प्रतिशत डिस्काउंट तथा पानीपत में पहली बार दिल के सीटी स्कैन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होने शहर के लोगों से आग्रह किया कि वह इस सुविधा का लाभ उठाये।

कृषि समझौते के खिलाफ जींद में होने वाली महापंचायत में पानीपत से किसान भाग लेंगे

पानीपत। अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी की बैठक गीता कालोनी क्रांतिकारी शिव वर्मा स्मारक भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डा. सुरेंद्र मलिक जिला प्रधान ने की। संचालन जिला सचिव राजपाल गाहल्याण ने किया। बैठक में भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार द्वारा पिछले दिनों कृषि क्षेत्र में अमेरिका के साथ किए गए किसानों को बर्बाद करने वाले कृषि समझौते के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में जींद में होने वाली महापंचायत में पानीपत से बड़ी संख्या में किसान हिस्सेदारी करेंगे। हरियाणा सरकार द्वारा रबी गेहूं की फ सल खरीद को लेकर दिए गए नए निर्देश नियम किसान विरोधी है इन नियमों से फ सल खरीद में परेशानी आएगी। इसको लेकर किसान सभा की तरफ से मुख्यमत्री मांग पत्र दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा जिला सह संयोजक सुनील दत्त ने भाजपा संघ परिवार नेतृत्व वाली केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिका के साथ जो कृषि समझौता किया गया है। व्यवहार में लागू होते ही देश का कृषि क्षेत्र बर्बाद हो जाएगा।

गाली देने से रोकने पर हुए विवाद में परिवार पर हमला

- बुजुर्ग के सिर पर मारी कस्सी, कई लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

शहर की कश्यप कॉलोनी में आज मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। पड़ोसियों ने एकजुट होकर एक ही परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग दादा के सिर पर कस्सी से वार किया गया जबकि बचाव में आए अन्य परिजनों पर गंडासी और ईंटों से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित प्रवीन ने पुलिस को बताया कि 27 मार्च की शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी दुकान के बाहर बैठा था। उसका छोटा भाई रिंकू जिम जा रहा था। इसी दौरान पड़ोसी अजीत वहां आया और रिंकू को जातिसूचक शब्द कहते हुए गंदी गालियां देने लगा। शोर सुनकर प्रवीन के दादा इंद्र सिंह घर से बाहर आए और अजीत को गाली देने से मना करते हुए वहां से जाने को कहा। आरोप है कि मना करने पर अजीत तैश में आ गया और उसने पास पड़ी कस्सी उठाकर बुजुर्ग इंदर सिंह के सिर पर दे मारी। इसके बाद अजीत की मां जागो ने ईंटों से हमला कर दिया। मामला यहीं नहीं रुका, शोर सुनकर आरोपी पक्ष के अन्य लोग अजय,अक्षय, बिंदू, आरती, पूजा और प्रेम तीन-चार अन्य युवकों के साथ वहां पहुंच गए। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर प्रवीन और उसकी माता माया देवी पर गंडासी से हमला किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी पहलः प्रमोद विज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत आज अयोध्या के लिए विशेष रेलगाड़ी को भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट और पानीपत शहर विधायक प्रमोद विज ने विधिवत रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस विशेष रेलगाड़ी के माध्यम से पानीपत से 137 श्रद्धालु निःशुल्क अयोध्या धाम पहुँचकर भगवान श्री राम मंदिर के दर्शन करेंगे। रेलवे स्टेशन पर जय श्री राम के नारों और पुष्प वर्षा से यात्रियों का अभिनंदन किया गया। विशेष रेलगाड़ी से कुल 800 श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुचेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी यात्रा को सुखदए सुरक्षित एवं मंगलमय होने की कामना की। कार्यक्रम स्थल पर नागरिक एवं पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ लेने के लिए नागरिक सरल पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

रिफाइनरी ने की मेधावी छात्रवृत्ति पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख एमएल डहरिया ने पानीपत रिफाइनरी टाउनशिप में आयोजित एक समारोह में पीआरपीसी मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आसपास के 14 गांव के 280 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। यह सम्मान आस-पास के गांवों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढने, उन्हें प्रोत्साहित करने एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया। डहरिया ने पीआरपीसी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन ओमप्रकाश, महाप्रबंधक मानव संसाधन संजय कुमार तथा ग्राम सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति में सभी चयनित छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान किए। कार्यक्रम में सरपंचों का पारंपरिक स्वागत भी किया गया।

वहीं विवेक शर्मा वरिष्ठ प्रबंधक ने पीआरपीसी मेधावी छात्रवृत्ति योजना की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। श्री डहरिया ने मेधावी छात्र- छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

भक्ति | विराट सनातन भक्ति सत्संग 2 से 5 अप्रैल तक चार दिवसीय शिवाजी स्टेडियम में होगा

गुरुकुल व बाल संस्कार केन्द्र खोलने की घोषणा की

- सनातन धर्म संस्कृति एवं बाल संस्कारों को सत्संग से बढ़ावा मिलेगा : डा .जगजीत आहूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। विश्व जागृति मिशन पानीपत मंडल के प्रधान डा . जगजीत आहूजा एवं अन्य पदाधिकारी पत्रकारों को जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

सनातन धर्म संस्कृति जागरण अभियान के तहत 10 गुरूकुल एवं 108 बाल संस्कार केन्द्रों की स्थापना को लेकर चार दिवसीय विराट सनातन भक्ति सत्संग 2 से 5 अप्रैल तक माडल टाउन स्थित शिवाजी स्टेडियम में पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज एवं डा.अर्चिका दीदी के सानिध्य होगा। विश्व जागृति मिशन पानीपत मंडल के प्रधान डा. जगजीत आहूजा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा आज पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी गई। मंडल के प्रधान डा. जगजीत आहूजा ने बताया कि सनातन धर्म संस्कृति जागरण अभियान के अंतर्गत 10 गुरुकुल एवं 108 संस्कार केंदों की स्थापना के लिए चार द्विवसीय विराट सनातन भक्ति सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। सुधांशु जी महाराज ने प्रयागराज में सनातन धर्म संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गुरूकुल एवं बाल संस्कार केन्द्र खोलने की घोषणा की थी। जिसके तहत अब तक तीन गुरूकुल व 35 बाल संस्कार खोले जा चुके है। सत्संग के दौरान 3 व 4 अप्रैल को प्रातः 9 से 11 बजें तक बच्चों के लिए विशेष सत्र होगा। 4 अप्रैल को संत सम्मेलन होगा जिसमें देश भर के विभिन्न संत हिस्सा लेगें। वहीं 5 अप्रैल को गुरू मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम रहेगा। उन्होने बताया कि गुरूकुल में बच्चों को फ्री शिक्षा, रहन-सहन के साथ-साथ छात्रवृति भी दी जायेगी। वहीं 29 मार्च को भूमि पूजन शिवाजी स्टेडियम में प्रातः9 बजें किया जायेगा। एक दिन गीता यूनिव में भी युवाओं को सनातन धर्म सस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश देगें। डा. आहूजा ने बताया कि सत्संग में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण, पंचायत विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा, राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, विधायक प्रमोद विज, विधायक मनमोहन भडाना, मेयर कोमल सैनी, समेत अनेक राजनेताओं की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। वहीं संत सम्मेलन में आचार्य बालकृष्ण जी महाराज, आचार्य प्रमोद कृष्ण जी महाराज, धर्मदेव जी महाराज, स्वामी दयानंद सरस्वती जी महाराज की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

ये रहे मौजूद

पत्रकार वार्ता में संरक्षक रामनारायण रावल, पुरूषोत्तम शर्मा, कार्यकारी प्रधान यशपाल चौधरी, वरिष्ठ उपप्रधान इन्द्र चुघ, महामंत्री गिरिश अरोड़ा, कोषाध्यक्ष राजेश सेठी, संगठन मंत्री रमेश आर्य, प्रचार मंत्री भीम डूडेजा, चुन्नी लाल चावला, महिला मंडल प्रधान कान्ता छाबड़ा, नीलम दत्ता, राजू शर्मा, यश सेठी, संजीव आहूजा, जगदीश खुराना, गणेश ठाकूर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने का सशक्त माध्यमः डा. सतवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कॉलेज में कॉमर्स एसोसिएशन द्वारा कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विषय टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर तथा पर्यावरण एवं स्थिरता रहे। टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर विषय के अंतर्गत विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकी विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल परिवर्तन तथा भविष्य में तकनीक की भूमिका को अपने कोलाज के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं पर्यावरण एवं स्थिरता विषय पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, हरित ऊर्जा, स्वच्छता और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को रचनात्मक रूप से दर्शाया। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज के समक्ष गंभीर मुद्दों को उजागर करने का प्रयास किया। कालेज के प्राचार्य डा. सतवीर सिंह ने विद्यार्थियों को कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का एक सशक्त माध्यम होती हैं। आज के समय में तकनीक और पर्यावरण दोनों ही हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन चुके हैं इसलिए इन विषयों पर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। सह-संयोजक प्रो. अजय पाल सिंह, सह-संयोजक सहायक प्रो. माधवी, सह-संयोजक डा. ज्योति गहलोत ने भी सम्बोड्डूषधत किया। प्रतियोगिता में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें इशमीत प्रथम, खुशी मिश्रा व वंदना द्वितीय, अक्षसा व अंशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि खुशबू और चंदा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. अजय पाल सिंह, सहायक प्रो. माधवी एवं डा. ज्योति गहलोत का योगदान रहा। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष द्वारा विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक प्रो.राजेश बालारूहानी शर्मा, साक्षी मुंजाल, करुणा सचदेवा, निशा गुप्ता, रीना रानी, रुचिका बत्रा, मनीत कौर, आकांक्षा, सोनिया विरमानी, जागृति, निशा गोयल, आंचल बत्रा, अन्नू बेनीवाल एवं रूबी भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हनुमान जन्मोत्सव पर 2 अप्रैल को निकलेगी शोभायात्राः नवीन भाटिया

पानीपत। पानीपत में 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव को लेकर एक विशाल शोभायात्रा प्राचीन श्री देवी मंदिर से निकाली जा रही है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया ने शोभायात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा में आप परिवार समेत जरूर शमिल हो क्योंकि यह प्रभु श्रीराम के भक्ति हनुमान जी के जन्मोत्सव को लेकर निकाली जा रही है। यात्रा देवी मंदिर से शुरू होकर सलारगंज गेट के निकट से दो भागों में के माध्यम से सभी प्रमुख बाजारों से होते हुए एक यात्रा कुटानी रोड अवध धाम में समापन होगा। वहीं दूसरी और सनौली रोड से होती हुई बाबा काशी गिरी मंदिर में समापन किया जाएगा। वही मॉडल टाउन वासियों के लिए मुल्तान भवन से शोभा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि त्यौहारों का असली मजा भी एक दूसरे के साथ मिलकर मनाने से आता है। प्रभु श्री राम के साथ-साथ प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी का आशीर्वाद ग्रहण करें।

न्यू भारतीय आदर्श उच्च विद्यालय सिवाह का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

पानीपत। न्यू भारतीय आदर्श उच्च विद्यालय सिवाह का वार्षिक उत्सव मनाया गया। जिसमें आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक के प्रधान धर्मवीर सिंह आर्य बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आर्य समाज एक समाज सुधारक संस्था है। संस्था का उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों एवं पाखंड को समाप्त करना है। उन्होंने बच्चों एवं अध्यापकों को आर्य समाज से जुड़ने का आह्वान किया। विद्यालय के चेयरमैन लाभ सिंह कादियान ने मुख्य अतिथि का सम्मान करते हुए विद्यालय का वार्षिक परिणाम घोषित किया। जिसमें प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। स्कूल के मैनेजर कुलदीप सिंह कादियान ने मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में विद्यालय के मुख्य अध्यापक कर्मवीर सिंह भारद्वाज ने विद्यालय के नियम एवं नेशन तथा आगामी कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

बिजली के खंभों से एंगल और बाइक चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना सदर पुलिस ने रिफ इनरी क्षेत्र में बिजली के खंभों से एंगल और बाइक चोरी करने वाले तीन आरोपियों को शुक्रवार शाम रिफाइनरी रोड पर नीलकंठ धर्मकाटा के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों से बिजली खंभों से एंगल चोरी की एक व बाइक चोरी की दो वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपियों की पहचान करनाल के मुनक गांव निवासी विशाल, मुकेश व बिंटू के रूप में हुई है। थाना सदर प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि पुलिस टीम को शुक्रवार शाम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि रिफाइनरी रोड पर नीलकंठ धर्मकाटा के पास संदिग्ध किस्म के तीन युवक एक प्लेटीना बाइक पर सवार होकर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फि राक में घूम रहे है। पुलिस टीम ने दबिश देकर तीनों युवकों को काबू किया। पूछताछ करने पर तीनों आरोपियों ने मिलकर 26 मार्च की रात रिफाइनरी गोल चक्कर के नजदीक बिजली की निर्माणाधीन लाईन के खंभों से लोहे की एंगल चोरी करना स्वीकार किया है। पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया।

राजकीय कॉलेज के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया नशा मुक्ति का संदेश

इसराना। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय इसराना में आज नशा मुक्त भारत समिति के तत्वावधान में एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर कड़ा प्रहार किया और युवाओं को इस सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डा. हरिओम के स्वागत के साथ हुआ। नाटक शुरू होने से पहले एक छात्र ने प्राचार्य का औपचारिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डा. हरिओम ने कहा कि नुक्कड़ नाटक जन-जागरूकता का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है जो समाज को नशे जैसी कुरीतियों से मुक्त रख सकें। नशा मुक्त भारत समिति के प्रभारी प्रो.दलबीर सिंह के मार्गदर्शन में तैयार किए गए इस नाटक में कलाकारों ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से नशे के कारण टूटने वाले परिवारों और बर्बाद होते युवाओं के जीवन के मार्मिक दृश्यों को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर डा. दिनेश, डा. सुनील कुमार, डा. संदीप, डा. मुकेश देसवाल, डा. पूजा जागलन, डा. सुमन, डा. कविता, डा. बलिन्दर,डा. कुलबीर, डा. ममता उपस्थित रहे।

NEW HAPPY PUBLIC SCHOOL

(AFFILIATED TO C.B.S.E., NEW DELHI UPTO 10+2)

SUDHAIL, YAMUNANAGAR

SCAN TO GET DIRECTION

ADMISSION OPEN For Classes Nursery - 9th & 11th

(Science, Commerce & Arts)

BUILDING MINDS... SHAPING FUTURES....

- Smart Classrooms
- Modern Physics, Chemistry, Biology, & Composite Laboratories
- Mathematics and ICT Labs
- Rich Library
- Activity & Kids Gym Room
- ICT-Enabled Learning
- Table Tennis, Cricket, Volleyball, Football
- 24×7 CCTV Surveillance
- Indoor & Outdoor Sports
- Yoga & Fitness Training
- Cultural & Literary Clubs
- Fire Safety Equipment
- Hygienic Drinking Water & Sanitation
- Medical Room
- Regular Parent-Teacher Interaction Sessions
- Value Based Education

BE A

HAPPIAN

01732-291111, 292222 www.nhpssudhail.com nhpssudhail

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

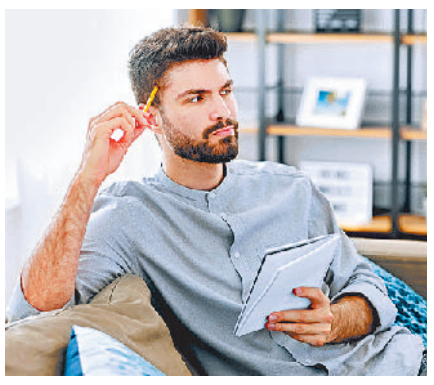

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

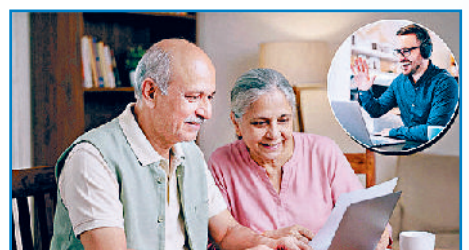

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

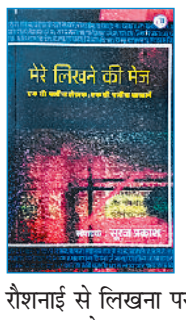

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

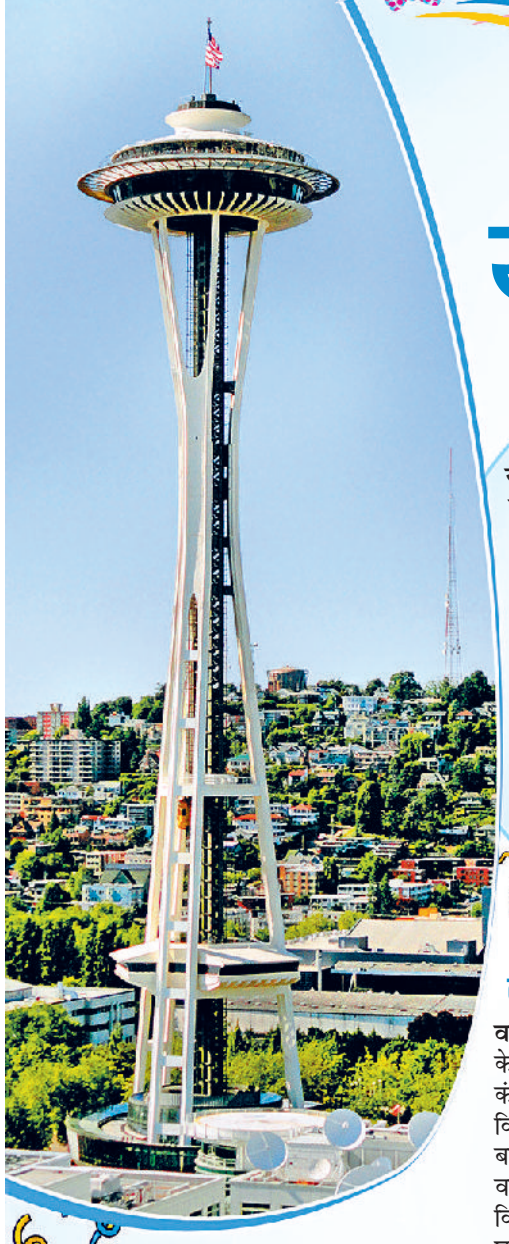

स्पेस नीडल गिरने की खबर

यह प्रैंक 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

साल 2017 में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

वर्ष 1998 में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

हूटर्स वेट्रेस और योडा

वर्ष 2001 में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

स्क्रीन में सुगंध

साल 2013 में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

सबसे पुराना-बड़ा मठः लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

निर्माण और नवीनीकरणः की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

बहुत कुछ है दर्शनीयः 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

यात्रा का उपयुक्त समयः 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

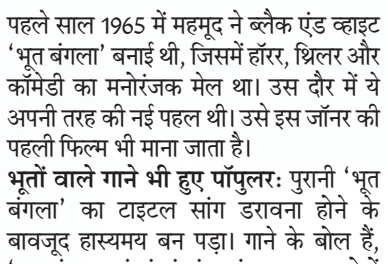

भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *